# दशमेश गुरू गोविन्द सिंह जी के प्रकाश पर्व 2023 पर लिए माननीय राज्यपाल महोदय का संदेश

(5 जनवरी 2023)

**जय हिन्द!**

आज, दशमेश, श्री गुरू गोविन्द सिंह जी के, पवित्र प्रकाश पर्व पर, आप सभी देश वासियों और प्रदेश वासियों को, लख–लख बधाई और शुभकामनाएं।

आज के इस पवित्र गुरू पर्व पर, देश और दुनिया के अनेक हिस्सों में, रहने वाले गुरूमुख साध संगत को, माताओं और बहनों को भी, इस पवित्र अवसर पर लख–लख बधाई और शुभकामनाएं।

**हम सब जानते हैं कि, 'सच्चे पातशाह श्री गुरूगोविन्द सिंह जी ने, हमारी महान** गुरू परम्परा ने, हमारे देश, धर्म, संस्कृति और सभ्यता के लिए, अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था।

श्री गुरू गोविंद सिंह जी ने हमें,**'वाहे गुरु जी दा खालसा, वाहेगुरु जी दी फतह'** का, '**जयकारा**'दिया है। उन्होंने हमें, सदैव 'पवित्र भावनाओं' और **'महान विजय'** की, सीख दी है।

श्री गुरूगोविन्द सिंह जी की महान Personality, उनके आध्यात्मिक संदेश हम सबकी भलाई और विश्व कल्याण

के लिए हैं। उनकी, वीरता, साहस और पराक्रम हर एक को प्रेरणा देती है। जीवन में, उनके संदेशों के आचरण की सीख देते हैं।

वे एक महान शासक थे, उन्होंने हम सबके लिए, पवित्र खालसा पंथ की नींव, रखी।

गुरू गोविन्द सिंह जी ने, जगद्गुरू श्री गुरु नानक देव जी के पवित्र संदेशों को, सम्पूर्ण देश और विश्व के अनेक कोनों में पहुंचाया।

हमें गुरूओं की पवित्र वाणी को, सुनने का, और गुरूवाणी को जन–जन तक, पहुंचाने का, संकल्प लेना है।

गुरूओं की पवित्र वाणी कहती है कि,**'सुणये दुःखपाप दा नाश'।**

**हम जानते हैं कि, श्री** गुरु गोबिंद सिंह जी की Personality कितनी महान थी।
उनके महान Personality में, एक दिव्यता और भव्यता थी, वे अनेक भाषाओं को जानते थे, गुरूमुखी को उन्होने दिव्यता प्रदान की, उन्होंने हिंदी, संस्कृत, उर्दू एवं अरबी भाषाओं को भी समझा और उनके ज्ञान और कीर्ति को बढ़ाया।

गुरु गोबिंद सिंह जी ने, अनेक पवित्र ग्रंथो की रचना की।**'विचित्र नाटक',** उनका लिखा हुआ, एक महान प्रेरणादायी ग्रन्थ है।

आज का दिन, हमारे लिए, अत्यन्त पवित्र है। गुरुओं के पवित्र और दिव्य संदेश को, दुनिया भर में, पहुंचाने का, यह बहुत बड़ा अवसर है।

आज पूरी दुनिया में दशमेश गुरू गोविंद सिंह जी का प्रकट उत्सव बड़े हर्ष एवं उत्साह से मनाया जा रहा है।

मैं, श्री वाहेगुरू जी के चरणों में, अरदास करता हूँ, साध–संगत को गुरूओं का आशीर्वाद मिले। गुरूओं की मेहर मिले। सुख–शांति मिले ।

**सत श्री अकाल! जय हिन्द!**